सामान्य नागरिक की भांति एफआइआर दर्ज की जाए : उपभोक्ता मंच सहित अन्य ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

जस्टिस यशवंत वर्मा के घर मिले जले नोटों के प्रकरण की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करें

जबलपुर

दिल्ली हाईकोर्ट के तत्कालीन जस्टिस यशवंत वर्मा के घर मिले जले नोटों के प्रकरण की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करें। यही नहीं उनके विरुद्ध सामान्य नागरिक की भांति एफआइआर दर्ज की जाए। यह मांग शुक्रवार को नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शन मंच, जबलपुर सहित अन्य संगठनों द्वारा उठाई गई। इस आशय का राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन भी कलेक्टर को सौंपा। इससे पूर्व जमकर प्रदर्शन किया गया।

मंच के अध्यक्ष डा.पीजी नाजपांडे ने बताया कि 14 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट के नजस्टिस वर्मा के घर पर मिले जले नोटों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तीन जजों की जांच समिति बनाई थी। इस जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक होने से अपेक्षाकृत अधिक पारदर्शिता आएगी। इसी मांग के साथ मंच ने भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन व मानव अधिकार क्रांति संगठन के पदाधिकारियों के साथ मिलकर घंटाघर के पास संयुक्त प्रदर्शन कियाा। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई। अगले चरण में जिला प्रशासन को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंप दिया गया।

एक माह बीता, नदारद है एफआइआर

आंदोलित संगठनों का कहना है कि जस्टिस वर्मा के मामले में अब एक माह से ज्यादा समय बीत गया है, फिर भी एफआईआर दायर नहीं हुई है। देश के 24 हाई कोर्ट में से केवल छह हाई कोर्ट के जजों ने अपनी सम्पत्ति का खुलासा किया है। यहां तक की 75 प्रतिशत हाई कोर्ट में इस संबंध में अभी कोई भी निर्णय नहीं लिया गया है।

80 प्रतिशत लोग धनखड़ से सहमत

डा. नाजपांडे ने यह भी बताया कि मोबाइल के जरिए शुक्रवार को किए गए त्वरित सर्वे में 40 प्रतिशत लोग उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के उस कथन से सहमत दिखे, जिसमें उन्होंने कहा था कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता की सीमा अब तय हो जाना चाहिए। प्रदर्शन में डा. पीजी नाजपांडे, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, डीके सिंह, संतोष श्रीवास्तव, सुशीला कनोजिया, गीता पांडे, केके सेन, भरत नामदेव, विनायक राव सोरते, अर्जुन कुमार परोहा, गौरव खरे, दिलीप कुंडे, डीआर लखेरा, एड. ब्रजेश साहू व राममिलन शर्मा सहित अन्य शामिल थे।

झुलसा देने वाली गर्मी का दौर शुरु

जबलपुर। मौसम पूरी तरह शुष्क हो चुका है, अब पारे में उछाल आ रही है, शुक्रवार को इस सीजन का सर्वाधिक 42.01 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। हवा में नमी बढ़ने और उत्तर पश्चिमी हवाओं के आने से पारे में अभी और उछाल आने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो 23 अप्रैल तक पारा 42 से 43 डिग्री के आसपास बना रह सकता है। फिलहाल झुलसा देने वाली गर्मी और तेज धूप ने जन जीवन का बेचैन कर रखा है। के पार चला गया। हवा में नमी घटने और पश्चिमी हवाओं दोपहर में धूप इतनी तेज थी, जैसे की आसमान से आग निकल रही हो। अचानक पश्चिमी हवाओं की तेज रफ्तार से लोगों को गर्म लू के थपेड़े महसूस हुये। हवा में नमी एकदम घट जाने से चारों तरफ वातावरण गर्म हो गया था। सूर्यास्त के बाद भी सूर्य की तपन का ऐहसास बना रहा। रात में भी वातावरण गर्म रहा लेकिन चन्द्रमा की शीतलता से लोगों ने सुकून महसूस किया।

इस सीजन में पहली बार पारा 42 डिग्री के पार

स्थानीय मौसम विज्ञान के प्रवक्ता ने बताया कि मौसम शुष्क रहने की वजह से और पश्चिमी हवाओं की वजह से तापमान उछाल मार रहा है। पिछले 24 घण्टों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 42.01 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 54 प्रतिशत और सांय काल 40 प्रतिशत आंकी गई। मौसम कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिमी दिशा से 5-6 किलोमीटर प्रति रफ्तार से हवाएं चल रही हैं और मौसम शुष्क बना हुआ है। इस वजह से तापमान उछाल मार रहा है। यदि आसमान पर बादल नहीं छाये और हवाओं की रफ्तार नहीं बढ़ी तो तापमान और ऊपर जा सकता है। प्रदेश में सबसे अधिक 43.6 डिग्री नर्मदापुरम जिले में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन अधिकत्तम तापमान 40.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

काम प्रारंभ नहीं करने वाले ठेकेदारों को ब्लेकलिस्टेड किया जाए

लोककर्म और उद्यान विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में महापौर के निर्देश

जबलपुर। नगर निगम के महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू अधिकारियों को निर्देश दिये हैं, कि विकास कार्यों में तेजी लाई जाए. उन्होंने सख्त लहजे में निर्देश दिये की विकास कार्यों की गुणवत्ता और समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए. महापौर यहां अपने कार्यालय में लोककर्म विभाग, पार्षद मद और उद्यान विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

संयुक्त समीक्षा बैठक में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने अधिकारियों से महापौर, अध्यक्ष,

पार्षद और अन्य मदों में कराये गए वार्डवार विकास कार्यों की जानकारी ली। महापौर ने समीक्षा के दौरान पाया कि बहुत से ऐसे विकास के कार्य हैं जो कार्यादेश जारी होने के बाद अथवा एल1 होने के पश्चात भी ठेकेदारों के द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किये गए हैं, ऐसे सभी ठेकेदारों की सूची तैयार करने और उन सभी को एक सप्ताह का नोटिस जारी कर उन सभी के विरूद्ध नियमानुसार ब्लैक लिस्टेड कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये। बैठक में लोकनिर्माण, उद्यान प्रभारी एवं एम.आई.सी. सदस्य विवेक राम सोनकर, अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा, अपर आयुक्त वित्त प्रशांत गोटिया, कार्यपालन यंत्री शैलेन्द्र मिश्रा, शैलेन्द्र कौरव, जागेन्द्र सिंह, उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

टैंकरों से 500 ट्रिप की जाएगी जलापूर्ति

जबलपुर।

गर्मी में पेयजल संकट एक प्रमुख समस्या होती है, शहर में कहीं भी जल संकट की स्थिति न बने, अधिकारी कर्मचारी सतर्क व जागरुक रहें। प्लान बनाकर काम करें। साथ ही साथ प्रकाश व्यवस्था और सीवर परियोजना के काम समय सीमा के अंदर किये जाएं। इस आशय के निर्देश महापौर जगत बहादुर सिंह विभागीय समीक्षा बैठक में सबंधिबत अधिकारियों को दिये. यहां उन्होंने जल, प्रकाश, एवं सीवर योजना के अंतर्गत शहर में संचालित कार्यो की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान महापौर श्री अन्नू ने बताया कि इस वर्ष ग्रीष्म ऋतु के दौरान जल संकट में कमी आयेगी। उन्होंने बताया कि 500 ट्रिप

गर्मी में कहीं नहीं होगा जल संकटः महापौर

टैंकरों एवं आवश्यक बोरिंग व्यवस्था के माध्यम से भी नागरिकों को दोनो समय स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति कराई जायेगी। महापौर श्री अन्नू ने जल वितरण व्यवस्था के अलावा जलशोधन संयंत्रों के रखरखाव एवं अन्य व्यवस्थाओं पर नियमित रूप से निगरानी रखने अधिकारियों को बैठक में निर्देश दिये हैं। समीक्षा बैठक के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत शहर में सीवर के 1 हजार करोड़ रूपये के कार्य कराये जायेगें। इस दौरान नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ उनकी उपयोगिताओं एवं अन्य विकास कार्यो को ध्यान में रखते हुए बुनियादी सुविधाओं में और अधिक बढ़ोत्तरी की जायेगी।

बैठक के दौरान एम.आई.सी. सदस्य एवं विभाग प्रभारी दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, नवीन लोनारे, सहायक यंत्री राजेश खम्परिया, संदीप जायसवाल, अनुराग पाठक, संजय सिंह, अंकुर नाग, अजय लवाना, मनोज पटैल, चन्द्रशेखर पटैल, केदार पटैल, पंकज पटैल आदि उपस्थित रहे।

निजी क्लीनिकों का पंजीयन कराना अनिवार्य

जबलपुर। मध्यप्रदेश उपचारगृह तथा रूजोपचार संबंधी संस्थाएं रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन अधिनियम 1973 के तहत मध्यप्रदेश में संचालित सभी निजी क्लीनिकों का पंजीकरण एवं अनुज्ञापन अनिवार्य है। पंजीयन ऐसे सभी निजी क्लीनिकों का कराना होगा जहाँ एलोपैथी चिकित्सा पद्धति अथवा आयुष चिकित्सा पद्धति या फिजियोथैरेपी चिकित्सा पद्धति से मरीजों को परामर्श दिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा ने यह जानकारी देते सभी क्लीनिक संचालकों से कहा है कि यदि उन्होंने अपने क्लीनिक का पंजीयन नहीं कराया है तो यह प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करा लें। उन्होंने कहा कि क्लीनिक के पंजीयन के लिये उन्होंने एमपी ऑनलाइन पोर्टल के नर्सिंग होम क्षेत्र में आवेदन करना होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने क्लीनिक, तथा नर्सिंग होम और अस्पतालों की परिभाषा भी बताई है। उन्होंने बताया कि क्लीनिक वह स्थान होते हैं जहां केवल परामर्श सेवाएं दी जाती है और मरीज को भर्ती नहीं किया जाता, कोई चिकित्सा प्रक्रिया प्रोसीजर नहीं की जाती है और ना ही वहाँ बेड लगाए जाते हैं। इसी प्रकार नर्सिंग होम अथवा अस्पतालों में विभिन्न प्रकार की चिकित्सा प्रक्रिया की जाती हैं, मरीजों को भर्ती किया जाता है तथा वहाँ बेड की व्यवस्था होती है। सभी डे केयर क्लीनिक भी नर्सिंग होम की श्रेणी में आते हैं। डॉ मिश्रा ने बताया कि जिले में संचालित सभी निजी क्लीनिकों को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जबलपुर से एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पंजीयन कराना आवश्यक है।

सीएमएचओ ने क्लीनिक संचालकों से कहा शीघ्र करा लें पंजीयन

एमपी स्टेट बार काउंसिल ने 600 अधिवक्ताओं के पंजीयन पर लगाई मुहर

तीन की सनद की गई बहाल : अधिवक्ता संघों की सदस्यता व आनलाइन डिक्लरेशन की अनिवार्यता को लेकर निर्देश जारी

जबलपुर ।

एमपी स्टेट बार काउंसिल की नामांकन समिति-एक की बैठक शुक्रवार को अध्यक्ष राजेश शुक्ला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें स्टेट बार के वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी व कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी शामिल रहे। तीनों ने प्रदेश भर से आए नामांकनों पर विचार के उपरांत 600 आवेदनों को विधि सम्मत पाकर पंजीयन पर मुहर लगा दी। इसके साथ ही तीन वकीलों की वकालत की सनद अर्थात लाइसेंस को बहाल कर दिया।

सैनी ने बताया कि हाईकोर्ट के नौ अप्रैल, 2025 के आदेश के परिपालन में द सेंट्रल ला इंस्टीट्यूट से प्राप्त वह नवीन आवदेन, जिसमें नामांकन प्रक्रिया की कार्यवाही पूर्ण कर दी गई थी, स्वीकृत कर लिया गया। शेष प्राप्त आवदेनों को तैयार कर आगामी नामांकन समिति द्वारा नामांकित किया जाएगा। नवीन अधिवक्ताओं के हितार्थ यह भी सलाह दी गई है कि स्टेट बार के नियम-145 के अंर्तगत नवीन अधिवक्ताओं को स्टेट बार से मान्यता प्राप्त अधिवक्ता संघों में नामांकन तिथि से तीन माह के अंदर सदस्यता लेना अनिवार्य है। ऐसा न किए जाने पर उनको स्टेट बार से कोई मेडिकल क्लेम, मृत्युदावा क्लेम व कल्याणकारी योजना के लाभ से वंचित रहना पड़ेगा। नवीन अधिवक्ताओं को आनलाइन डिक्लेरेशन फार्म भरना भी अनिवार्य है। जब तक आनलान डिक्लेरेशन फार्म नहीं भरा जाता, जब तक अधिवक्ता नान प्रेक्टिशनर की श्रेणी में आता है। बैठक में स्टेट बार की कार्यकारी सचिव गीता शुक्ला, नामाकंन प्रभारी देवेन्द्र पांडे, प्रणय खरे व अंकित सेन भी उपस्थित रहे।

शीघ्र ही राजस्व अभिलेखागार को आधुनिकतम रूप में लायें : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने राजस्व रिकार्ड रूम का अवलोकन कर शीघ्र ही इसे आधुनिकतम रूप में लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व रिकार्ड कम्प्यूटर में फीड हो, ताकि सहजता से वांछित रिकार्ड सुलभता के साथ उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन, मती नदीमा शीरी व डिप्टी कलेक्टर सु प्रगति गणवीर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

महाभारत कथा कृति का विमोचन एवं नृत्य नाटिका का मंचन आज

जबलपुर। पाथेय, मनीषा एवं सुप्रभातम संस्था के तत्वावधान में वरिष्ठ लेखक, अधिवक्ता डॉ. कृष्णकुमार दुबे द्वारा सृजित 'महाभारत कथा- इतिहास के झरोखे से' का विमोचन एवं कामना नायक द्वारा निर्देशित 'धर्मक्षेत्र' नृत्य नाटिका का मंचन 19 अप्रैल 2025 को सायं 7 बजे से शहीद स्मारक सभागार में आयोजित है। संयोजक राजेश पाठक प्रवीण ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. गौतम पूर्व कुलपति होंगे। अध्यक्षता आचार्य भगवत दुबे करेंगे। विशिष्ठ अतिथि दिनेश गर्ग, जगदीश दीक्षित एवं पुरूषोत्तम तिवारी होंगे। सुशांत दुबे,अभय जैन, मनीषा चौबे, आलोक पाठक ने साहित्य एवं कला अनुरागियों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

211 से अधिक स्कूलों के पास भवन नहीं

प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था वेंटिलेटर पर

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था एक गहरे संकट से जूझ रही है। हाल ही में सामने आए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 211 स्कूल ऐसे हैं जो बिना किसी स्थायी भवन के संचालित हो रहे हैं, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का दावा है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है।

संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता विराज यादव ने मुद्दे को उठाते हुए कहा कि प्रदेश के कई ज़िलों में सरकारी स्कूल या तो पेड़ों के नीचे, झोपड़ियों में या सामुदायिक भवनों में मजबूरी में संचालित हो रहे हैं। "रिकॉर्ड में भले ही दर्शाया गया हो कि स्कूल का भवन है, लेकिन हकीकत ये है कि या तो वो भवन खंडहर हैं या बच्चों के बैठने लायक नहीं," उन्होंने कहा। एनएसयूआई ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार शिक्षा के नाम पर सिर्फ आँकड़ों की बाजीगरी कर रही है। भवन होने की परिभाषा तक को तोड़ मरोड़ कर यह दिखाया जा रहा है कि स्कूल भवनयुक्त हैं। कई जगह सामुदायिक भवन या किसी ग्रामीण की झोपड़ी को अस्थायी स्कूल मान लिया गया है ताकि आंकड़ों में 'भवन' दिखाया जा सके।

बड़वानी एक उदाहरण, समस्या प्रदेशव्यापी

एनएसयूआई ने बड़वानी जिले के खामखाटा गाँव का विशेष उल्लेख किया, जहाँ पिछले 12 वर्षों से 38 बच्चे बांस और तिरपाल की झोपड़ी में शिक्षा ले रहे हैं। ज़िला प्रशासन को सूचित किए जाने और कलेक्टर द्वारा निरीक्षण के बावजूद अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। ऐसी ही स्थिति सतना, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, शहडोल, और उमरिया जैसे दर्जनों ज़िलों में देखी गई है।

एनएसएसयूआई की मांग

एनएसयूआई ने मांग की है की सभी भवनविहीन और खस्ताहाल स्कूलों की सूची सार्वजनिक की जाए, स्कूल भवनों के निर्माण हेतु विशेष बजट तत्काल जारी किया जाए. जिन ज़िम्मेदार अधिकारियों ने इन शिकायतों को वर्षों से नजरअंदाज़ किया, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हो. ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए निर्माण कार्य शुरू कराया जाए. एक स्वतंत्र जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी बनाई जाए जो जमीनी सच्चाई का मूल्यांकन करे. संगठन ने 30 दिन में मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

रिंवझा में 3 से 9 मई तक आयोजित यज्ञ की बैठक में पहुंचे सांसद-विधायक

श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ में सम्मिलित होकर बनें पुण्य के भागीदार : अनिरूद्धाचार्य

हरिभूमि सिहोरा।

सिहोरा के निकटवर्ती ग्राम रिंवझा में 3 से 9 मई तक आयोजित सप्त दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियों के संबंध में आयोजन स्थल पर एक बड़ी बैठक का आयोजन सभी जनप्रतिनिधियों,क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों, विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

सभी लोग शामिल होकर पुण्य के भागीदार बनें

महायज्ञ के आयोजक भारत के महान कथा वाचक संत अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने कहा कि हम सभी क्षेत्रवासी एंव ग्रामवासी इस महान आयोजन में सम्मिलित होने के साथ हर तरह का सहयोग करके पुण्य के भागीदार बनें आगे कहा महाराज दशरथ ने भी भगवान श्रीराम जैसी संतान प्राप्त करने के लिए यज्ञ का आयोजन किया था आज मानव जाति खतरे में है अच्छी विचारधारा वाले लोग कम है हमें मानव जाति को भी बचाना है आगे कहा हम तो वो सनातनी है जो नागपंचमी पर भी सांप को दूध पिलाते हैं।यज्ञ एंव कथा में सभी संतों के दर्शन का भी पुण्य लाभ अर्जित होगा तथा संत जी ने विशेष रुप से सभी सिहोरा मझौली सहित सैकड़ों ग्रामों के लोगों को निमंत्रण देते हुए कहा कि कथा के सातों दिन सुबह शाम वे यज्ञ स्थल पर ही भंडारे का प्रसाद ग्रहण करें। यज्ञ में किसी भी तरह का सहयोग आहूति के बराबर ही होता है।

संत जी ने सौंपी कार्य की जिम्मेदारी

संत जी ने सभी जनप्रतिनिधियों की सहमति से विशाल एंव भव्य महायज्ञ की व्यवस्थाओं के संबध में पेयजल, भोजन, यातायात, पंडाल, सफाई, विद्युत, यज्ञ, पार्किंग सहित अनेक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी उपस्थित गणमान्य नागरिकों समाजसेवियों को सौंपते हुए कहा कि यह आयोजन सभी के सहयोग से ही सफल होगा जिसमें देश विदेश से अनेक शिष्य भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे।

इनकी रही उपस्थिति

महायज्ञ को लेकर आयोजित बैठक में मुख्य रुप से सांसद आशीष दुबे, पाटन विधायक अजय विश्नोई, सिहोरा विधायक संतोष बरकडे, बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडे,भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल, अध्यक्ष जनपद पंचायत सिहोरा रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री,एसडीएम रुपेश सिंघई सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, ग्रामवासी, क्षेत्रीयजन, अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

ट्रिपिंग में कमी और विद्युत उत्पादन लागत घटने का दावा

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के चार ताप विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऑपरेशन (संचालन) क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दक्षता से जहां पूर्व की तुलना में अधकि उत्पादन किया वहीं विद्युत गृहों की ट्रिपिंग दर पूर्व की तुलना में कम हो गई। विद्युत गृहों के ऑपरेशन में ट्रिपिंग, वशिष्टि तेल की खपत में कमी, ऑक्जलरी कंजम्पशन महत्वपूर्ण मापदंड हैं। पावर जनरेटिंग कंपनी के चारों ताप विद्युत गृहों की 12 विद्युत यूनिट ने इन मापदंडों में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

विद्युत गृहों की ट्रिपिंग में निरंतर कमी-पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों की यूनिट में किए गए सुधार कार्य व बेहतर मेंटेनेंस के कारण उल्लेखनीय कमी आई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्युत गृहों में मात्र 85 ट्रिपिंग दर्ज की गईं। इससे पूर्व वर्ष 2019-20 में 150 ट्रिपिंग दर्ज होती रही हैं। पिछले पांच वर्षों में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी ने तकनीकी उन्नयन, सटीक मेंटेनेंस और परिचालन प्रक्रियाओं में सुधार के फलस्वरूप विद्युत यूनिट की विश्वसनीयता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। वशिष्टि तेल खपत की कमी से परिचालन लागत में आई कमी-पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा विद्युत उत्पादन लागत में कमी लाने के लगातार प्रयास किए गए। इन लगातार किए गए प्रयास के कारण ताप विद्युत यूनिट की वशिष्टि तेल खपत वर्ष 2024-25 में 0.51 मिलीलीटर प्रति यूनिट रही। यह अब तक की न्यूनतम वशिष्टि तेल खपत है। न्यूनतम वशिष्टि तेल खपत से परिचालन लागत में जहां कमी आई वहीं यह पर्यावरण संरक्षण में सहायक हुई।

निगम द्वारा कराया जा रहा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव

जबलपुर। नगर निगम द्वारा ग्रीष्म काल में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिये निगमायुक्त प्रीती यादव के निर्देश पर शहर के सभी वार्डों में दोनों समय कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के उपायुक्त संभव अयाची एवं स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल ने बताया कि शहर में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप, डेंगू मलेरिया एवं मच्छर जनित अन्य संक्रामक बीमारियों को रोकने तथा मच्छरों के विनिष्टिकरण के लिए नगर निगम द्वारा लगातार सघन छिड़काव अभियान चलाया जा रहा है। शाम को फागिंग मशीनों के माध्यम से फागिंग के कार्य के अलावा सुबह के समय में बड़े पैमाने पर कीटनाशक दवाईयों का भी गली-गली छिड़काव कराया जा रहा है।

परशुराम जयंती मनाने विप्र कुल परिषद की बैठक 20 को

मझौली। भगवान परशुराम जी के जन्म उत्सव को मनाने के उद्देश्य को लेकर विप्र कुल परिषद मझौली की बैठक कार्यकारी अध्यक्ष अनिल दुबे के वार्ड नंबर 8 स्थित निज आवास एवं अस्थाई कार्यालय में 20 अप्रैल दिन रविवार को शाम 4 बजे से संपन्न होगी।

डॉ. शिशिर सोनी का अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी में चयन

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज की सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शिशिर सोनी को अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ कार्डियोलॉजी के फेलो (एफएसीसी) के लिए चुना गया। अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ कार्डियोलॉजी द्वारा डॉ. सोनी को नव निर्वाचित फेलो के रूप में, 28-30 मार्च, 2026 को न्यू ऑरलियन्स, एलए में आयोजित वार्षिक वैज्ञानिक सत्र के प्रतिष्ठित दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया जाएगा। एफएसीसी को कार्डियोलॉजी करियर में एक बड़ी उपलब्धि माना जाता है जो की डॉ शिशिर सोनी ने 35 वर्ष की आयु में हासिल करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया हैं। इस उपलब्धि पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ नवनीत सक्सेना सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के संचालक डॉ अवधेश प्रताप सिंह कुशवाह, सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के अधीक्षक ले कर्नल डॉ. जितेन्द्र गुप्ता, कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. सुहैल सिद्दीकी और जबलपुर शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों ने बधाई प्रेषित की और इसे एक बड़ी शैक्षणिक उपलब्धि के रूप में सराहा है।

आचार्यश्री विद्यासागर भवन में मांगलिक प्रवचन

परिग्रह समस्त पापों की जड़: समय सागरजी

जबलपुर। आचार्य समय सागर जी महाराज ने यहां विद्यासागर भवन पुरानी चरहाई में आयोजित धर्म सभा में कहा कि परिग्रह के कारण संसारी प्राणी का पतन लगातार हो रहा है। आचार्य श्री ने कहा कि समस्त पापों की जड़ परिग्रह है। अपने मांगलिक प्रवचन मे आचार्य श्री समय सागर जी ने आगे कहा कि परिग्रह के कारण संसारी प्राणी बहुत भारी हो गया और भारी वस्तु को उपर उठाना आसान नहीं है। शास्त्रों में लिखा है कि यदि हमें मोक्ष जाना है तो सभी परिग्रह का त्याग करना पड़ता है। जैन दर्शन में परिग्रह को पाप कहा गया है। परिग्रह दो प्रकार के होते हैं, एक बाह्य और एक आंतरिक. बाहरी पदार्थ के प्रति मूर्छा आशक्ति को ही परिग्रह कहा गया है। बाहरी वस्तु में जो स्वामित्व भाव है, वहीं परिग्रह है. दिगम्बर साधू सम्पूर्ण परिग्रह का त्याग करके ही साधू कहलाते हैं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में रिया गढ़वाल ने मंगलाचरण का पाठ किया। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के तेल चित्र के समक्ष सुनील गढ़ावाल, अनुराग गढ़ावाल, आनंद उजियामूरी, आलोक जैन ने दीप प्रज्जवलित किया. छुल्लक उपकार सागर महाराज ने भक्ति गीत प्रस्तुत किया. आचार्य श्री को शास्त्र भेंट करने तथा, पाद प्राछलन का सौभाग्य कोमल चंद पडरिया, सुमित अनुज अमित पडरिया, सवाई सिंघई, सुनील कुमार, सुधीर कुमार को प्राप्त हुआ। दिल्ली से आए प्रतिनिधि मंडल एवं चमन लाल ने आचार्य श्री को श्रीफल अर्पित किया।

अतिरिक्त लाभ कमाने आम के बगीचे में लगाई चिया की फसल

हरिभूमि जबलपुर।

जबलपुर जिले में कृषि के क्षेत्र में लगातार नवाचारों को अपनाया जा रहा है। खास बात यह है कि नवाचारों को अपनाने की पहल खुद किसानों द्वारा की जा रही है और किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग परामर्शदाता की भूमिका में है। जिले में कृषि के क्षेत्र में अपनाये जा रहे नवाचारों में चिया की खेती प्रमुख है।

आमतौर पर गर्म और शुष्क मौसम में ली जाने वाली तथा प्रोटीन, फाइबर, ओमेगा-3, कैल्शियम, मैग्नीशियम, वसा और विटामिन-बी जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर चिया की फसल का रकबा जिले में लगातार बढ़ता जा रहा है। किसान इसे अतिरिक्त आमदनी के लिये अपना रहे हैं। जिले में वर्ष 2020 में महज 5 किसानों द्वारा 5 एकड़ में लगाई गई चिया का रकबा अब 150 एकड़ तक फैल चुका है। जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम मादा के किसानों से बीज खरीद कर अब निकटवर्ती जिले के किसानों ने भी अपने यहाँ चिया की खेती करना शुरू कर दिया है।

जिले में शुरू हुई चिया की खेती में पाटन विकासखण्ड के ग्राम महगवां के किसान रामकृष्ण लोधी ने अपने दो एकड़ क्षेत्र में फैले आम के बगीचे में पेड़ से पेड़ के बीच की रिक्त भूमि पर चिया की खेती कर नवाचार की एक और मिसाल पेश की है। जिसका किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उपसंचालक डॉ एस के निगम एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने आसपास के किसानों के साथ अवलोकन किया। किसान रामकृष्ण ने इनकी मौजूदगी में ही चिया फसल की कटाई भी की।

किसान रामकृष्ण लोधी ने कृषि अधिकारियों को बताया कि आम के पौधों के बीच खाली पड़ी जगह में चिया की फसल लगाने पर इसके फूल से मधुमक्खियाँ आकर्षित होती हैं, जिसका फायदा आम के पेड़ में परागण में होता है। किसान के मुताबिक चिया लगाने से इस बार और उसके आम के बगीचे में फलों में पूर्व की तुलना काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि चिया की खेती के लिए प्रति एकड़ क्षेत्र में 3 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। चिया का बीज बहुत छोटा एवं हल्का होता है, इस कारण रेत या वर्मी कंपोस्ट मिलाकर इसकी बोनी करनी पड़ती है। बोनी करने के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करना पड़ती है। इसमें किसी भी तरह के रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता नहीं होती। चिया में रोग एवं कीट का प्रकोप भी नहीं होता। चिया के उत्पादन के लिए चार सिंचाई की आवश्यकता होती है।

रामकृष्ण के अनुसार चिया की फसल 120 से 125 दिनों में तैयार हो जाती है और उत्पादन 5 से 6 क्विंटल प्रति एकड़ होता है। रामकृष्ण ने बताया कि उन्हें नीमच मंडी में चिया का भाव 14 से 15 हजार रूपए प्रति क्विंटल है और उन्हें इससे 70 से 80 हजार रूपए तक का अतिरिक्त लाभ अर्जित होने का अनुमान है।

मंत्री ने चौपाल कर सुनी लोगों की समस्यायें

जनहित के लिये लगातार विकास कार्य होते रहेंगे: मंत्री राकेश सिंह

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में रानी दुर्गावती वार्ड और सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड में सिद्धनाथ मंदिर पर चौपाल कर विकास कार्यों की जानकारी दी। साथ ही लोगों की समस्याओं को सुना और उनके समुचित निराकरण करने के निर्देश दिये। मंत्री सिंह ने इस दौरान क्षेत्र में किये विभिन्न विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये कहा कि जनहित के और भी कार्य होंगे। लोगों ने ज्यादातर पानी, सड़क, नाली व साफ-सफाई सुनिश्चितता करने का आग्रह किया। मंत्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिये कि जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाये। उन्होंने क्षेत्र में पानी की सुनिश्चितता को लेकर प्राथमिकता से कार्य करेंगे।

मंत्री सिंह ने कहा कि वे जबलपुर की जनता के ऋणी व अभारी हैं। जिन्होंने 20 वर्ष तक सांसद तथा इस बार विधानसभा में भेजने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि हर जन प्रतिनिधि का कर्तव्य है कि वे विकास कार्य के माध्यम से जनता का ऋण उतारे। साथ ही कहा कि उन्हें विकास कार्य के माध्यम से ही अब जबलपुर की जनता का ऋण उतारने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार से उन्हें लोक निर्माण विभाग का दायित्व मिला और जिस दिन से वे लोक निर्माण विभाग संभाले हैं उसी दिन से उनका ध्येय वाक्य लोक निर्माण से लोक कल्याण है। मंत्री सिंह ने कहा कि अब विकास कार्यों में जबलपुर उपेक्षा नहीं होगी। उन्होंने जबलपुर के विकास के लिये किये गये ऐतिहासिक कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाई ओव्हर जिसकी लागत 11 हजार करोड़ है, जबलपुर में है, जो पूर्णता की ओर है। 4 हजार 500 करोड़ की लागत से 117 किलोमीटर की रिंग रोड बन रही है, जिसमें दो लॉजिस्टिक पार्क व नर्मदा में दो आईकॉनिक ब्रिज होंगे। देश का पहला जियोलॉजिकल पार्क भी बनेगा। 450 करोड़ रूपये की लागत से एयरपोर्ट का आधुनिकीकरण हुआ, वहीं 300 करोड़ की लागत से आधुनिकतम रेल्वे स्टेशन भी बनेगा। उन्होंने कहा कि विकास की प्रक्रिया चलते रहना चाहिए। अब तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बजट में जबलपुर के विकास के लिए 3200 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये हैं। जिसमें पश्चिम विधानसभा के लिए 1600 करोड़ रूपये के विकास कार्य होंगे। इससे पश्चिम विधानसभा के साथ जबलपुर व महाकौशल की समृद्धि व विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

शराब से भरी कार छोड़कर भागे दो आरोपी

जबलपुर। पाटन पुलिस ने कंतोरा तिराहा के पास एक कार में अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही 400 पाव देशी शराब जप्त की है। जबकी इस शराब की कीमत 40 हजार रुपये बताई गई है। पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर कंतोरा तिराहे के पास पुलिस ने एक काले रंग की एर्टिगा कार को रोका, कार की तलाशी लेने पर 400 पाव शराब से भरे 8 कार्टून जप्त किये गये। कार चालक और उसमे बैठा व्यक्ति कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

मातृशक्ति महिला मंडल ने पक्षियों के लिए रखे सकोरे

जबलपुर। मातृशक्ति महिला मंडल द्वारा टेलीग्राफ क्वार्टर, दया नगर, कमला नेहरू नगर, रानीताल तालाब के किनारे भूलन, बसहा गांव में गुरुवार को घूम-घूम कर पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखे। इसके जरिए संस्था ने जनमानस को एक संदेश दिया कि वे सभी अपने घर पर पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखे। ताकि पक्षियों को भी पानी उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर मंडल की सुनीता पटेल, मंजू वर्मा, सीमा गुप्ता, रेखा विश्वकर्मा निशा घोष, रामकली, रुक्मणी, माया, आशा, रश्मि, नीता, नमिता और मंडल की महिलाओं ने सहयोग दिया।

श्रीमती अनीता सेन- शक्तिनगर भोले कुटि के पास निवासी श्री सुरेश सेन की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता सेन (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ओम प्रकाश दुबे- नगर निगम क्वाटर्स गौरीघाट निवासी श्री ओम प्रकाश दुबे (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती द्वावारी बाई रामचंदानी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री सुरेश रामचंदानी की धर्मपत्नी श्रीमती द्वावारी बाई रामचंदानी (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती नीता दुबे- टावर नं. 4, सुखसागर ब्लू गौरीघाट निवासी श्री शरद चंद्र दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती नीता दुबे (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती तारा बाई बघेल- खेरमाई वार्ड निवासी श्री तुलसीराम बघेल की धर्मपत्नी श्रीमती तारा बाई बघेल (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बलवंत आनंद- टैगोर नगर बादशाह हलवाई मंदिर गौरीघाट रोड निवासी श्री बलवंत आनंद (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अरविंद श्रीवास्तव- एमआईजी 36, शिमला हिल्स कॉलोनी एलआईसी के सामने मदनमहल निवासी श्री अरविंद श्रीवास्तव (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शुभम कटारिया- रामनगर व्हीकल रोड रांझी निवासी श्री कमल कटारिया के पुत्र श्री शुभम

कटारिया (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती फुल्ला बाई रजक- ककरैया तलैया गोरखपुर निवासी श्री मूरत रजक की धर्मपत्नी श्रीमती फुल्ला बाई रजक (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ओम प्रकाश कोरी- गोरखपुर गुरूद्वारा के पीछे निवासी श्री ओम प्रकाश कोरी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती अनीता गुप्ता- इंद्रा नगर एमपीईबी कॉलोनी रोड रामपुर निवासी श्री सुभाष गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता गुप्ता (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कांता बाई- पुरानी बस्ती रांझी निवासी श्री गुरदयाल की धर्मपत्नी श्रीमती कांता बाई (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

कु. अवंतिका चौधरी- महेशपुर मदनमहल निवासी श्री दीपक चौधरी की पुत्री कु. अवंतिका चौधरी (05) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अनीता चौहान- एलआईजी 330, मदर टेरेसा नगर माढ़ोताल निवासी श्री रतन सिंह चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता चौहान (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362100

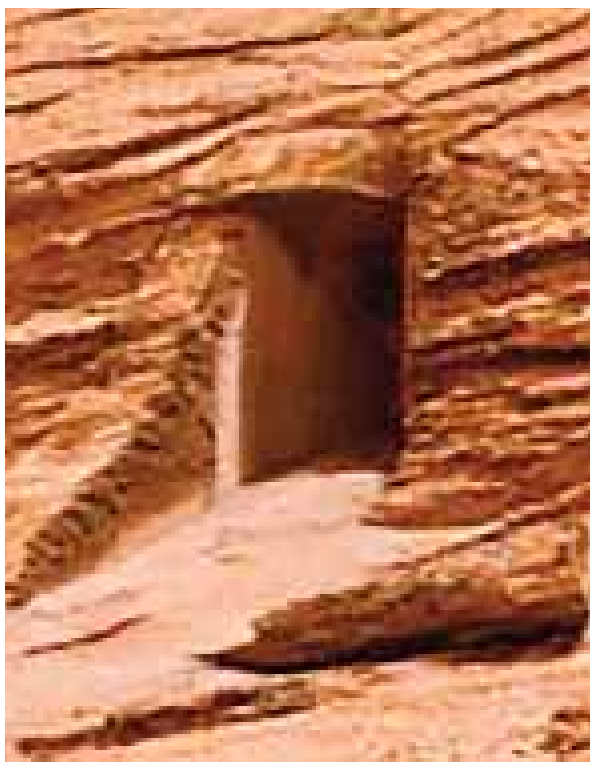

क्या मंगल ग्रह पर छिपे हैं एलियंस? नासा के हाथ लगा 'रास्ता', हैरान कर देगी खोज

वॉशिंगटन। नासा अपनी खोजों के लिए दुनिया भर में पहचाना जाता है। नासा की खोज पर लोगों की नजरें टिकी रहती है। एक बार फिर नासा ने खुलासा किया है कि मंगल ग्रह पर एक बहुत बड़ा छेद पाया गया है। जिसे लेकर बताया जा रहा है कि ये रहस्यमय गड्ढा एक विशाल भूमिगत सुरंग नेटवर्क में एलियनों को छिपाकर रख सकता है। यह छेद 2017 में मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर द्वारा ली गई सैटेलाइट तस्वीर के ऊपरी-दाएं हिस्से में स्थित है और एक गोलाकार गड्ढे से घिरा हुआ है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि मंगल अरबों साल पहले पृथ्वी जैसा था

किया गया है शेयर

रिपोर्ट के मुताबिक 300 फुट चौड़े छेद की एक तस्वीर को अपने एस्ट्रोनॉमी पिक्चर ऑफ द डे के रूप में शेयर किया गया है। नासा ने ये भी बताया है कि इसमें कई छेद हैं, जिनमें से केवल एक को छोड़कर सभी में धूल भरी, अंधेरी, मंगल की सतह दिखाई देती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इस तरह के छेद विशेष रूप से दिलचस्प हैं। क्योंकि, वे निचले स्तरों के द्वार हो सकते हैं जो विशाल भूमिगत गुफाओं में फैले हुए हैं।

बनाया नक्शा

भूमिगत रहस्यों पर अमेरिका के विशेषज्ञ- यूएस जियोलॉजिकल सर्वे को इन मंगल ग्रह की गुफाओं को खोजने के लिए लाया गया था। 2019 में, यूएसजीएस एस्ट्रोजियोलॉजी साइंस सेंटर ने मंगल ग्रह पर 1,000 से अधिक संभावित गुफा प्रवेश द्वारों को प्रस्तुत करने वाला एक नक्शा बनाया। हालांकि, केंद्र के एक अंतरिक्ष वैज्ञानिक ग्लेन कुशिंग ने कहा कि यह देखना असंभव है कि उनमें से कोई भी सतह के नीचे कितनी दूर तक फैला हुआ है।

एलियंस का था ठिकाना!

इस प्रकार नासा ने नोट किया कि ये गड्ढे संभावित भविष्य के अंतरिक्ष यान, रोबोट और यहां तक कि मानव अंतरग्रहीय खोजकर्ताओं के लिए प्रमुख लक्ष्य हैं। जबकि अब यह जीवन के लिए प्रतिकूल है, वैज्ञानिकों का मानना है कि मंगल अरबों साल पहले पृथ्वी जैसा था। हालांकि धीरे-धीरे स्थितियां बदल गई। ऐसे में वैज्ञानिक अब ये पता लगाने की कोशिश में लगे हुए हैं कि क्या कभी यहां पर जीवन था। क्या कभी ये एलियंस का ठिकाना था?

रोचक खबरें

शादी से पहले दुल्हन ने रख दी ऐसी शर्त, धर्मसंकट में पड़ गईं सहेलियां!

जब कभी हमारे घर में शादी का कोई न्योता आता है तो इन चीजों को लेकर तैयारियां पहले से शुरू हो जाती है। वहीं, अगर किसी करीबी का शादी का कार्ड आता है तो तैयारियां और जोरों से चलती है, ताकि शादी में सबसे बेस्ट हम लगे और शादी मिस ना हो! हालांकि इन दिनों जो किस्सा सामने आया है, उसे जानने के बाद आप पूरी तरीके से हैरान रह जाएंगे। क्योंकि आपने इस तरह के न्योते के बारे में इसके बारे कभी किसी ने नहीं सोचा था ये बात तो हम सभी जानते हैं कि जब किसी जान-पहचान वाले की शादी होती है तो हम लोग हाई-फाई बनकर जाने की सोचते हैं, लेकिन यहां जो किस्सा सामने आया है वो थोड़ा अलग है। क्योंकि, यहां एक महिला ने अपनी शादी में सहेलियों को कहा कि किसी को भी सजधज कर सुंदर बनकर आने की कोई जरूरत नहीं है। ये कहानी जब लोगों के बीच चर्चा में आई तो हर कोई हैरान रह गया, क्योंकि कोई अपनी शादी में इस तरीके से बुलाएगा इसकी किसी को कोई उम्मीद नहीं थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक 27 साल की एक लड़की ने अपनी शादी में ऐसी लड़कियों को बैन कर दिया, जिनकी फोटो सुंदर आती हो। हैरानी की बात तो ये है कि लड़की ने अपने दोस्त को इंविटेशन देते हुए ये शर्त रखी कि कोई भी उसकी शादी में सजधज नहीं आएगा।

लड़की को चढ़ा अजीब शौक, मच्छर मारकर रख लेती है लाश, नामकरण कर के तैयार करती है 'बहीखाता'!

नई दिल्ली। जब बच्चे बड़े होने लगते हैं तो उन्हें अलग-अलग तरह के सामान जुटाने का शौक चढ़ जाता है। कोई सिक्के जुटाता है, कोई माचिस के डिब्बों का ऊपरी हिस्सा रखने लगता है, बहुत से बच्चों को कंचे इक्ट्ठा करने का भी शौक होता है। आजकल तो बच्चे पोकेमॉन या बेन 10 के कार्ड्स और टैज़ो जुटाते हैं। पर एक लड़की को बड़ा अजीबोगरीब शौक है। लड़की मच्छरों को मारती है, फिर उनकी लाश को रख लेती है। उसके बाद वो उनका नामकरण कर बहीखाते जैसा लेखा-जोखा तैयार करती है, जिसमें वो मच्छरों से जुड़ी तमाम डीटेल को लिखती है। इंस्टाग्राम यूजर आकांक्षा रावत ने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें एक लड़की नजर आ रही है। उस लड़की ने अपने ऐसे शौक के बारे में बताया, जिसे सुनकर सबके होश उड़ गए। वो लड़की आकांक्षा की कौन है ये तो नहीं पता, पर आकांक्षा को भी लड़की का शौक हैरान करने वाले लगा। लड़की ने बताया कि उसे मच्छरों को मारकर उनका रिकॉर्ड तैयार करना अच्छा लगता है। सबसे पहले वो मच्छरों को मारती है, फिर उन्हें नाम देती है और उसके बाद एक पेपर में उन्हें टेप के नीचे चिपका देती है। बाद में वो मच्छरों को भारतीयों वाले नाम देती है, उनके मरने की जगह, मौत का वक्त और दिन को नोट करती है। इस तरह उसने एक पेपर पर कई मच्छरों की डीटेल के बारे में लिखा है। उस लिस्ट में सुरेश, रमेश, प्रिया, आदि जैसे नाम वाले मच्छर थे। लड़की ने एक नाम दिया था सिगमा बॉय।

गई पढ़ाई नाले में, बच्ची ने गटर में डाली किताब, 'लो जी, टेंशन ही खत्म'

लंदन। इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में हम रोजाना तरह-तरह के वीडियो देखते हैं। इनमें से कुछ वीडियो तो ऐसे होते हैं, जिन्हें देखने के बाद आप सोच में पड़ जाते हैं तो कुछ ऐसे होते हैं कि आप इन्हें देखकर एंजॉय करते हैं। इस वक्त एक बहुत ही प्यारा वीडियो छोटी सी बच्ची का वायरल हो रहा है, जो हंसते-खेलते स्कूल से आ रही है। रास्ते में वो जो करती है, उसे देखकर आप चौंक जाएंगे। सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो रहे बच्ची के वीडियो को देखकर आप भी मुस्कुरा देंगे। वो जितनी मासूमियत से पढ़ाई से छुटकारा लेकर खुश हो रही है, वो देखकर लोगों को ने उस पर प्यार लुटाना शुरू कर दिया। बच्ची जिस तरह से छोटी सी उम्र में अपनी मर्जी से अपनी खुशियां चुन रही है, वो देखकर आपको भी अच्छा महसूस होगा। उसे दुनियादारी से तो कोई वास्ता नहीं, लेकिन जो अच्छा लगा, वो बिना सोचे-समझे ही कर दिया। बच्चे मन के सच्चे होते हैं। उन्हें अच्छा-बुरा तो पता नहीं होता, लेकिन उन्हें जो भी करने में खुशी मिलती है, वे उसे कर लेते हैं। वीडियो में एक छोटी सी बच्ची ऐसा ही कर रही है। वो स्कूल से आते हुए रास्ते में रुकती है और अपने हाथ में मौजूद किताब को मोड़कर गटर में डाल देती है। ऐसा करते हुए उसके चेहरे की खुशी और बाद में उछलते-कूदते हुए उसका रिएक्शन देखकर आपको भी मजा आ जाएगा। मानो बच्ची के सिर से कोई भारी बोझ उतर गया हो, वो इस तरह नाचते हुए निकल जाती है।

छूते ही हाथ हो जाता है सुन्न, इंसानों के लिए घातक...ये हैं दुनिया के सबसे जहरीले पक्षी

पक्षी का नाम सुनते ही जो सबसे पहले जो ख्याल मन में आता है, वे बर्ड्स हैं खूबसूरत मोर, तोता, अपनी सुंदरता और मिठी आवाज के लिए मशहूर कोयल। इन पक्षियों की विशेषता है कि इनकी पंखें बाकी पक्षियों से काफी मुख्तलिफ होती है। लेकिन आज हम इस लेख में दुनिया के 10 सबसे जहरीले पक्षियों बारे में बताने जा रहे हैं।

हुडेड पिटोहुई

हुडेड पिटोहुई कॉर्विडे परिवार के सदस्य हैं, जिसमें रेवेन, कौए और जय जैसे बर्ड्स भी शामिल हैं। ये खूबसूरत बर्ड अपने पंखों, पूंछ और सिर पर काले पंखों के लिए मशहूर हैं, जबकि उनके पेट और पीठ पर नारंगी पंख हैं। जबकि पापुआ न्यू गिनी का यह रंग-बिरंगा पक्षी बैट्राकोटॉक्सिन से भरपूर होता है, जिसे छूने पर हाथ सुन्न हो जाता है और झुनझुनी हो सकती है।

ब्लू कैप्ड इफ्रिता

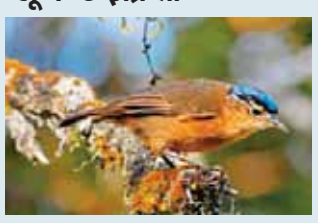

ब्लू कैप्ड इफ्रिता एक छोटा कीटभक्षी पक्षी है जो 16.5 सेमी तक बढ़ता है। इफ्रिता का मुकुट नीले और काले रंग का होता है और पंख पीले-भूरे रंग के होते हैं। इस पक्षी प्रजाति में बैट्राकोटॉक्सिन पाया जाता है, जो उनके पेट, पैर के पंखों और स्तन पर भारी मात्रा में होता है।

यूरोपीय बटेर

यूरोपीय बटेर को आमतौर पर बटेर भी कहा जाता है। इसे कॉटर्निक्स वंश के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। यह एक पुरानी दुनिया का प्रवासी पक्षी माना जाता है, जो यूरोप, अफ्रीका और एशिया के दक्षिणी भागों में फैला हुआ है। लेकिन यह बर्ड काफी जहरीला है।

रेड वार्बलर

अगली जहरीली पक्षी रेड वार्बलर है, जिसे एक छोटा गौरैया पक्षी भी कहा जाता है।

दुनिया के सबसे जहरीले पक्षियों बारे में बताने जा रहे हैं

उत्तरी परिवर्तनशील पिटो हुई

उत्तरी परिवर्तनशील पिटोहुई हुडेड पिटोहुई की ही प्रजाति है। हुडेड पिटोहुई की तरह, यह पक्षी प्रजाति बीटीएक्स नामक एक शक्तिशाली न्यूरोटॉक्सिक एल्कलॉइड द्वारा संरक्षित है। बीटीएक्स पक्षी के पंखों और स्किन में पाया जाता है। वो इस जहर का इस्तेमाल अपने शिकार को रोकने और परजीवियों को दूर भगाने के लिए हथियार के रूप में करता है।

स्पर-विंग्ड गूज

स्पर-विंग्ड गूज को दुनियाभर में सबसे बड़ी हंस प्रजाति माना जाता है। जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, स्पर-विंग्ड गूज के पंखों पर कांटे होते हैं,जो बहुत जहरीला होता है।ऐसा माना जाता है कि इन स्पाइक्स में मौजूद जहर ब्लिस्टर बीटल के आहार से प्राप्त होता है, जिसमें कैंथरिडिन की उच्च सांद्रता होती है। इस जहर की लगभग 10 मिलीग्राम मात्रा इंसानों के लिए घातक मानी जाती है। यह विषैला हथियार पक्षी के जीवन भर उसके लिए महत्वपूर्ण होता है। यहां तक कि मौत के बाद भी, इसका मांस जहरीला माना जाता है।

छोटा श्रीकेशश

श्रीकेशश एक गीत गाने वाला बर्ड है। आस्ट्रेलिया में स्थानिक रूप से पाई जाने वाली यह पक्षी जहरीली प्रजाति के रूप में दर्ज है। इस पक्षी का जहर, जिसे अक्सर बैट्राकोटॉक्सिनिन-ए कहा जाता है, बहुत जहरीला होता है। यह वही रसायन है जो जहरीले डार्ट मेंढकों द्वारा उत्पादित किया जाता है। साथ ही, साधारण सा दिखने वाला यह पक्षी अपने पंखों और स्किन में विषाक्त पदार्थ रखता है, जो इसे छूने वालों के लिए खतरा पैदा करता है।

ब्रश ब्रोंजविंग

ब्रश ब्रोंजविंग कबूतर एक कॉमपैक्ट बर्ड है, जो अपने लाल-

भूरे निचले हिस्सों के लिए प्रसिद्ध है। इन पक्षियों को बहुत जहरीला माना गया है।

हूपो

हूपो अपने सुंदर पंखों और भयंकर दुर्गंध वाले घोंसले के लिए जाना जाता है। ये पक्षी अपनी यूरोपीगियल ग्रंथियों का इस्तेमाल करके एक भयंकर गंध वाला तरल पदार्थ पैदा करने के लिए अनुकूलित हो गए हैं, जो डाइ-मिथाइल सल्फाइड से ज्यादा सांद्रित होता है।

रफ्ड ग्राउज

रफ्ड ग्राउज एक छोटा पक्षी है जो करीब अमेरिकी कौओ के आकार का होता है। इस पक्षी की पूंछ आमतौर पर पंखे के आकार की होती है।

एआई तो सबका बाप निकला, आकाशगंगा में धरती जैसे कितने ग्रह हैं, ये भी बता दिया

बर्न। अंतरिक्ष अनंत है और यहां इतने राज छिपे हुए हैं, जिसके जवाब आज भी इंसान खोजने की कोशिश कर रहा है। अब उसके साथ इस खोज में एआई भी जुट गया है। हमारे मिल्की वे में 44 ग्रह और अन्य तारे हैं, जो धरती जैसे दिखते हैं। यह दावा एक नए मशीन लर्निंग मॉडल ने किया है।

एआई मॉडल बेहद विश्वसनीय

स्विट्जरलैंड के नेशनल सेंटर ऑफ कॉम्पिटेंस इन रिसर्च प्लैनेट्स और यूनिवर्सिटी ऑफ बर्न के वैज्ञानिकों ने मिलकर एक एआई मॉडल बनाया है, जो धरती जैसे ग्रहों का पता लगा सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस मॉडल में जिस एल्गोरिदम का इस्तेमाल किया गया है, वह 99 प्रतिशत सही है। इस एआई मॉडल की खासियत है कि यह ग्रहों के सिस्टम के बीच यह पता कर सकता है कि कौन सा धरती जैसा ग्रह हो सकता है। यह रिसर्च एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स में पब्लिश हुई है। इस स्टडी का हिस्सा रहे वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एआई मॉडल बेहद विश्वसनीय है और इससे एस्ट्रोनॉट्स को केवल उन स्टार सिस्टम्स पर फोकस करने में मदद मिलेगी, जिनमें ऐसे बाह्यग्रह होने की संभावना अधिक है, जिनमें जीवन हो सकता है।

हैरान कर देने वाले थे नतीजे

एआई मॉडल का टेस्ट बाकी प्लैनेट सिस्टम्स के बारे में ज्ञात डेटा का इस्तेमाल करके किया गया था। वैज्ञानिकों ने कहा कि जिन सिस्टम्स के गुणों के बारे में हमें पता है, उनके बारे में जानकारी मॉडल में डाली गई, तो इसने आश्चर्यजनक रूप से अच्छा परफॉर्मेंस दिया।

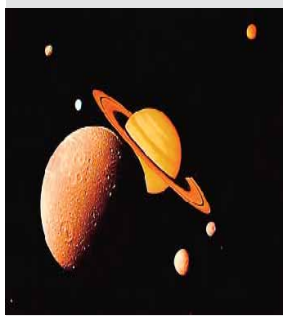

स्टडी में क्या आया सामने?

ऐसे एक्सोप्लैनेट की खोज का आधार उनके ऑर्बिट का रास्ता है। रहने लायक इलाकों में जो ग्रह हैं, उन पर जीवन होने की सबसे ज्यादा संभावना होती है। इसका मतलब है कि यह ऐसी जगह पर होना चाहिए जहां न तो बहुत गर्मी हो और न ही बहुत ठंड हो, ताकि तरल पानी मौजूद हो सके। इस शर्त को पूरा करने वाले एक्सोप्लैनेट अन्य दुनिया की खोज करते समय सबसे आशाजनक उम्मीदवार हैं जहां जीवन मौजूद हो सकता है।

भारत आकर बस गई विदेशी लड़की!

नौकरी छोड़ी, घर बेचा

नई दिल्ली। एक तरफ भारतीय बेहतर जिंदगी की तलाश में अपने देश को छोड़कर विदेश चले जा रहे हैं और दूसरी तरफ विदेशी लोगों को भारत इतना पसंद आ रहा है कि वो यहां निरंतर घूमने आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर व्लॉग बना रहे हैं। आम लोगों से बातें करते नजर आ रहे हैं और यहां की परंपराओं और मान्यताओं में ढल जा रहे हैं। एक विदेशी लड़की ने तो अपनी नौकरी, घर और देश छोड़ दिया और भारत में आकर बस गई। अब 10 महीने रहने के बाद उसने बताया कि उसका निर्णय सही था या गलत! इंस्टाग्राम यूजर एस्ट्रिड एसमेराल्डा डेनमार्क की रहने वाली हैं और एक सोलो ट्रैवलर हैं। वो कोपनहेगन में रहती थीं। 10 महीने पहले वो सब कुछ छोड़छाड़कर भारत चली आईं और वहां पर रहने लगीं। उन्होंने इंस्टाग्राम वीडियोज के जरिए भारत में अपनी अब तक की यात्रा को दिखाया। वो ऋषिकेश से मुंबई और गोवा तक घूम चुकी हैं।

10 महीनों से भारत में है लड़की : हाल ही में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने बताया कि भारत में बिताए 10 महीने उनके लिए कैसे रहे। उन्होंने लिखा- 'भारत में 10वां महीना बीत रहा है और मैं कह सकती हूं कि ये मेरी जिंदगी का सबसे बेहतरीन निर्णय रहा। मुझे बदलाव चाहिए था। मेरे लिए कोपनहेगन में कुछ नहीं बचा था। मैं अपनी नौकरी से प्यार करती थी, घर से प्यार करती थी, दोस्तों से प्यार करती थी, जिन्हें मैं मिस करती हूं।

400 किमी दूर तक फट गई धरती, वैज्ञानिकों का बड़ा खुलासा

म्यांमार में सुपरसोनिक स्पीड से आया था विनाशकारी भूकंप

एजेंसी ⏭ नेपीडॉ

पिछले महीने 28 मार्च को 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से म्यांमार की धरती कांप उठी थी। दुनिया के सबसे बड़े फॉल्ट में से एक के टूटने से बने इस भूकंप के चलते म्यांमार और आस-पास के क्षेत्रों में तबाही मचा दी थी। भूकंप के चलते 5000 से ज्यादा लोगों के हताहत होने की पुष्टि हुई है। भूकंप का केंद्र म्यांमार में मांडले के पास था, लेकिन इसका असर थाईलैंड और बांग्लादेश तक देखा गया। अब घटना के कुछ दिनों बाद भूकंप विज्ञानियों ने इसके व्यवहार और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने वाले तेज झटकों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की है।

सुपरसोनिक रफ्तार से बनी दरार

जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के झीगांग पेंग ने कहा कि यह दरार शुरुआत में धीमी गति से होने के बाद ध्वनि की गति से भी तेज गति से टूट गई। पेंग ने कहा कि थाईलैंड और चीन के युन्नान और ग्वांग्डन प्रांतों में भूकंप के बाद भूकंपीय गतिविधि में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। यह म्यांमार में आए शक्तिशाली भूकंप से उत्पन्न तनावों के व्यापक रूप से सक्रिय होने का संकेत देती है।

400 किलोमीटर लंबी दरार

म्यांमार टेक्टोनिक रूप से सक्रिय क्षेत्र में स्थित है, जहां भारत और यूरेशिया की प्लेटें टकराती हैं। सीस्मोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका की वार्षिक बैठक में दुनिया भर के शोधकर्ताओं ने अपने निष्कर्ष साझा किए हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के भूकंप विज्ञानी सुसान हॉफ के अनुसार, मार्च में आए भूकंप ने सागांग फॉल्ट के 400 किलोमीटर से अधिक हिस्से को तोड़ दिया। यह प्रमुख स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट मध्य म्यांमार से होकर गुजरता है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के शोधकर्ता नादिन रीटमैन ने बताया कि यह दरार दुनिया भर में दर्ज की गई सबसे बड़ी सतह दरारों में से एक है। सागांग फॉल्ट ने पिछली सदी में 6 तीव्रता और उससे बड़े कई भूकंपों को पैदा किया है, लेकिन 1839 के बाद से 7 तीव्रता के भूकंप का अनुभव नहीं हुआ था।

गुड-फ्राइडे पर क्रूस की दुःखमयी यात्रा का सजीव मंचन

मसीह क्रूस उठा के चला, जमी रो उठी, आसमा रो उठा

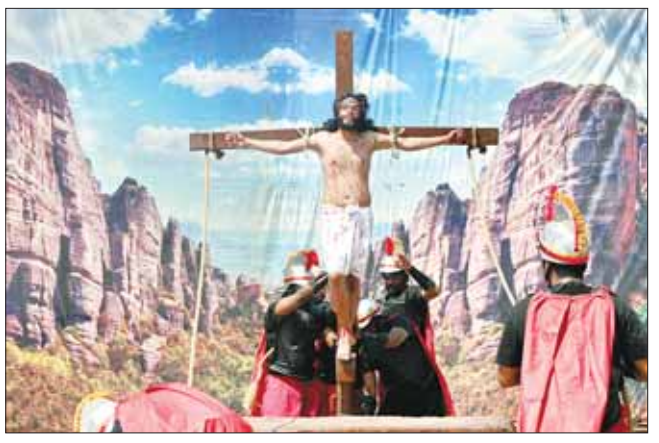

जबलपुर। लड़खड़ाते कदम... लहूलुहान बदन... सिर पर काँटों का ताज एवं भारी क्रूस के बोझ को लेकर चलते प्रभु येसु को देखकर शहर की मुख्य सड़कों पर चल रहे राहगीर थम गये। कौतूहलवश वे इस दर्दनाक एवं दुःखमयी यात्रा के दृश्यों को देखकर आंसू बहा रहे थे। अवसर था गुड-फ्राइडे (पुण्य शुक्रवार) के पावन अवसर पर बालक येसु के तीर्थ स्थल, होली ट्रिनिटी चर्च द्वारा निकाली जा रही क्रूस की दुःखमयी यात्रा का। जिसमें नगर के विभिन्न चर्चों के ख्रीस्तीय कलाकार प्रभु येसु के दुःखभोग के दृश्यों को सजीव मंचन कर रहे थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे दो हजार वर्षों पूर्व येरुषलेम की सड़कों पर मुक्तिदाता येसु मसीह को क्रूस देकर जो यातनायें दी गईं थी, वो हजारों आँखों के सामने सजीव हो उठीं। संस्कारधानी के संपूर्ण ख्रीस्तीय समाज के साथ-साथ अन्य धर्मावलंबी भाई-बहिनों की आँखें भी येसु को क्रूस लिये देखकर नम हो गईं। इस क्रूस यात्रा के दौरान दर्द भरे धार्मिक गीतों- ''प्यारे येसु अब तो गुनाहों से तौबा'', ''जो क्रूस पे कुर्बान है वो मेरा मसीहा है'', ''जमी रो उठी आसमाँ रो उठा हमारा मसीह क्रूस उठा के चला'', ''काँटें हो रहा पर कभी चलते ही जायें हम''... गाते हुये अश्रुपूर्ण नेत्रों से विश्वासियों की सहभागिता देखने को मिली।

इस क्रूस की दुखमयी यात्रा में गेतसेमनी बाग में येसु द्वारा प्रार्थना के दृश्य से लेकर महल में पेशी, येसु को रोमी राज्यपाल पिलातुस द्वारा प्राणदंड की सजा, कांधों पर क्रूस लाद कर कलवारी पहाड़ के मार्ग पर लड़खड़ाते हुये चलते येसु राह में धर्मी स्त्री वेरोनिका एवं येरुशलेम की स्त्रियों से मिलते हैं, जहाँ स्त्रियाँ येसु को प्राण पीड़ा में देखकर रोती-बिलखती है। सृष्टिकर्ता की माता मरियम, येसु को देखकर भाव विहिल होकर इन्हें गले से लगाती हैं तथा मुक्तिदाता को क्रूस पथ पर चलने के लिये हौंसला देती है। लहुलूहान पैरों में कंपन होते हैं और येसु मसीह डगमगा कर तीन बार भारी क्रूस के बोझ में दब कर गिरते हैं। कलवारी पहाड़ में अधमरे होकर पहुंचे येसु को क्रूर सैनिकों द्वारा निर्वस्त्र किया जाता है, वस्त्रहीन होने से उनके घाव खुल जाते हैं तथा रक्त-धारा बहने लगती है। सैनिकों द्वारा उन्हें क्रूस पर ठोंक कर क्रूस खड़ा कर देते हैं। जहाँ सात वाणी बोलते-बोलते येसु अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देते हैं। इसके पश्चात उन्हें (येसु) कब्र में रखने के दृश्य का मंचन भी किया गया।

पल्ली महासचिव संजय मैथ्यूस ने जानकारी दी कि वर्ष 1997 से प्रारंभ क्रूस की दुःखमयी यात्रा के मंचन का यह 28वाँ वर्ष है।

इस दौरान पूर्व धर्माध्यक्ष जेराल्ड अलमेडा, पल्ली पुरोहित फादर वालटर खालको ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रभू येशु के गुणों को अपनाना है।

प्रतिवर्ष गुड फ्रायडे पर पल्लियों सहित विभिन्न पल्लियों के विश्वासी कलाकारों द्वारा क्रूस की दुःखमयी यात्रा का सजीव मंचन किया जाता है। इस क्रूस यात्रा में 5 हजार लोगों की उपस्थिति रहती है। क्रूस की दुःखमयी यात्रा में 50 से भी अधिक कलाकारों ने अपने सजीव अभिनय द्वारा लोगों को आकर्षित किया।

श्रीपरशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा की बैठक में तय हुए कार्यक्रम

जबलपुर। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 29 अप्रैल को सभी के आराध्य देव भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर आयोजित की जाने वाली, प्रसिद्ध विशेष विशाल दिव्य एवं भव्य भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा जबलपुर की समस्त ब्राह्मण समाज के संयुक्त तत्वावधान में, ब्राह्मण एकता मंच के बैनर तले, शहर के मालवीय चौक से सायं 4 बजे निकाली जानी है उक्त संबंध में हो रही लगातार क्षेत्रीय बैठको की श्रंखला में अधारताल के क्षेत्रीय विप्र परिवारों सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों से, बड़ी संख्या में आये विप्र बन्धु मात शक्ति ने अपने अपने विचारों से कार्यक्रम को सफल बनाने सुझाव, सहयोग एवं अन्य विप्र परिवारों की सहभागिता का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित डॉ विजय कान्त तिवारी ने की, उक्त बैठक का संचालन पंडित विनोद शर्मा द्वारा किया गया। बैठक भगवान श्री परशुराम जी की पूजा अर्चना करने के बाद की गई। इस अवसर पर शोभायात्रा के इतिहास और पूर्व अनुभव, वर्तमान स्वरूप योजना का विस्तार पूर्वक विवरण पंडित कपिल दुबे द्वारा दिया गया। इस अवसर पर, विभिन्न विप्र परिवारों सहित अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद के पुरुष व महिला पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल रहे। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सोनल तिवारी ने विप्र परिवारों की एकजुटता एवं शोभायात्रा के लिए अपने सुझाव दिए, साथ ही समस्त पदाधिकारियों ने अपने अपने स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 311 ने कराया परीक्षण

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ एवं मुक्ति चिकित्सा के संयुक्त तत्वावधान में विशाल निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ज्ञान विद्या पब्लिक स्कूल गणेश नगर, कछपुरा में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अश्वनी कुमार त्रिवेदी, जिला संयोजक डॉ. विवेक, मनोज सेठ, राघवेंद्र यादव, एड. दीपक श्रीवास्तव, रोशन पटेल, बृजेश दत्त अरजरिया, नवीन विल्सन, दिनेश सिंह का विशेष योगदान रहा।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्ष रेड्डी, स्त्री रोग विशेषज्ञ स्नेहा मितवानी, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित जैन, जनरल फिजिशियन डॉ. श्रीकांत साहू, डॉ. ऋषि उपाध्याय, डॉ. सचिन बोदलिया, डॉ. सचिन बुधौलिया, डॉ. वीरेंद्र साहू, लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अभिनित जैन, सेंटर फॉर इये सेइट का विशेष योगदान रहा। स्वास्थ्य शिविर में 311 निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा वितरण की गई।

क्रिकेट का बुखार कर्मचारियों पर भी सवार

जबलपुर। PPEL लीग 2025 पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार JNKVV ग्राउंड पर सुबह की पहली किरण के साथ पहले मैच की शुरुआत हुई। NDVSU से संतोष शर्मा कप्तान रहे। डॉ. एसएस तोमर, डॉ. अविनाश श्रीवास्तव, डॉ. राजेंद्र कुर्मी, डॉ. मनोज वैश्य, डॉ. संजय गुप्ता की उपस्थिति में डॉ. एसएस तोमर रजिस्ट्रार NDVSU द्वारा टॉस कराया गया। टॉस मंडला की टीम ने जीतकर पहले बॉलिंग करने का निर्णय लिया। ओपनिंग अभिलाष ने की, जिन्होंने अपनी टीम के लिए 19 रन जोड़े। नॉन स्ट्राइकिंग एंड पर सरोज ने अपनी टीम के लिए 11 रन जोड़े। अच्छी रणनीति का इस्तेमाल करते हुए मंडला की

टीम ने NDVSU टीम को 47 रनों पर ही बांधकर रखा। NDVSU टीम ने 47 रन पर 7 विकेट के नुकसान पर अपना स्कोर पूरा किया। शुरुआती दौर में लोगों का अनुमान यह रहा कि मंडला की टीम आसानी से यह मैच जीत जाएगी, परन्तु डॉ. राम किंकर मिश्रा ने फुर्ती और बुद्धि का उपयोग कर मंडला के जमे हुए खिलाड़ियों को रन आउट कर दिया और जहां से जैसे की लोग कहते हैं कि क्रिकेट बाय चांस मैच ने करवट बदलना शुरू किया। NDVSU ने अपना मनोबल बनाए रखा, मंडला ने भी संघर्ष पूर्ण मुकाबला किया और अंतिम दौर में कुशल रणनीति के कारण NDVSU टीम ने मंडला टीम को 37 रनों पर ही रोक दिया एवं विजय प्राप्त की। इस अवसर पर सचिन शर्मा, विनय मेहरा, सोमनाथ सोनी, सुहेल अनवर खान, अर्पित खत्री, रामेंद्र कुशवाहा, दिव्यांश अग्निहोत्री, नवीन चंदेल, रन बहादुर थापा, जाकिर खान, विपिन बर्मन आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री को दिया पवई महायज्ञ में आने का निमंत्रण

जबलपुर। पाटन तहसील के पवई धाम में 1 से 7 में तक श्री शिव समाराधन महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में शामिल होने के लिए बुधवार को नगर प्रवास पर आए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को समिति द्वारा यज्ञ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर स्वामी महेन्द्रानंद महाराज जी की आज्ञा से यज्ञ प्रभारी बलराम सिंह यादव ने मुख्यमंत्री को आमंत्रण दिया। मुख्य मंत्री ने आमंत्रण स्वीकार कर आने का आश्वासन दिया।

आलोक बाजपेयी बने कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष

जबलपुर। तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास अधिकारी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष के रूप में आलोक बाजपेयी की नियुक्ति की गई। यह नियुक्ति संघ के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष संतोष तिवारी द्वारा की गई। इस अवसर पर शासकीय जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता योगेंद्र दूबे विशेष रूप से उपस्थित रहे। अन्य प्रमुख अतिथियों में खो-खो संघ मध्यप्रदेश के सचिव संजय यादव, तकनीकी शिक्षा के संभागाध्यक्ष श्री शैलेष पुंवटकर, सह सचिव राजकुमार मेहरा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष रविकांत दहायत, एवं इंजीनियरिंग कॉलेज विभागीय समिति के अध्यक्ष विजय यादव सहित समिति के अन्य सदस्यगण हबीब ख़ान, ओ. पी. दीवान, अशोक बेलिया, बी. एम. पोर्ते एवं मनोज गुप्ता उपस्थित रहे।

अतिक्ष मिश्रा ने अंतरराष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्राप्त किया चौथा स्थान

जबलपुर। पुणे, वाघोली स्थित संस्कृति स्कूल के कक्षा 4 के होनहार छात्र अतिक्ष मिश्रा ने रंगोत्सव इंटरनेशनल कलरिंग एंड ड्रॉइंग कॉम्पिटिशन में चौथा स्थान हासिल कर अपने विद्यालय, शिक्षकों, माता-पिता और देश का नाम रोशन किया है।यह प्रतियोगिता हर वर्ष Rangotsav Celebrations द्वारा आयोजित की जाती है, जिसमें हजारों बच्चे भाग लेते हैं। अतिक्ष ने इससे पहले राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर भारत का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त किया था। इस अद्भुत उपलब्धि के पीछे अतिक्ष की मेहनत और लगन तो है ही, साथ ही उनकी ड्राइंग टीचर हिमानी मैम का भी विशेष योगदान रहा है। उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए हम तहे दिल से धन्यवाद करते हैं।

रादुविवि में इंटरामुरल खेलों का समापन

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में चल रहे इंटरामुरल खेलों का समापन 17 अप्रैल गुरुवार को अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग एवं डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर विवेक मिश्रा, फाइनेंस कंट्रोलर नगर निगम रोहित कौशल, पूर्व संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग प्रोफेसर आर.के. यादव के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन मार्च पास्ट, स्किपिंग रोप एवं एरोबिक्स के प्रदर्शन के बाद संपन्न हुआ, इस प्रतियोगिता का आयोजन 06 फरवरी 2025 से प्रारंभ होकर 17 अप्रैल 2025 तक विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया और उनके खेल के प्रदर्शन के आधार पर 6 हाउस जो बनाए गए थे उनमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले हाउस को ओवरऑल चैंपियनशिप दी गई, बी.पी. एस,बी.पी.एड. एवं एम.पी. एड. के छात्रों को 6 दालों में बांटा गया जिसमें भगत ब्रिगेड, नेताजी वॉरियर्स रानी दुर्गावती डिफेंडर, शिवराम रेंजर, वीर शिवाजी और आजाद एडवेंचर हाउस बनाए गए थे, इन सभी हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शिवराम रेंजर ओवरऑल चैंपियन हुआ। पुरस्कार वितरण के दौरान शारीरिक शिक्षण विभाग के पूर्व छात्र एवं छात्राओं की उपस्थिति सहित रिटायर्ड अधिकारी, वर्तमान अधिकारी जो कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश पुलिस, भारतीय रेल, स्पोर्ट्स अथारिटी ऑफ इंडिया, केंद्रीय विद्यालय संगठन, मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग में क्रीड़ा अधिकारी, विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों में शिक्षक, व्यापारियों की उपस्थिति सराहनीय रही। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग प्रोफेसर विशाल बने के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सुनील दत्त लखेरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षण विभाग के शिक्षक डॉक्टर पी. चटर्जी, डॉक्टर के. के. राठौर, प्रवीण पांडे, सुशील शर्मा, हेमंत शर्मा, प्राची यादव एवं महिपाल सिंह जाट इन सभी का विशेष योगदान रहा।

नवांकुर संस्थाओं ने किया जल संरचनाओं में श्रमदान

जबलपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकास खण्ड शहपुरा नवांकुर संस्था नौजवान एकता संगठन द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल संरचनाओं में श्रमदान, स्वच्छता एवं अन्य विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान नवांकुर संस्था ने मां नर्मदा तट गौबच्छा घाट (बिलखरवा) में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्रमदान कर स्वच्छता अभियान एवं जल संरक्षण चौपाल का आयोजन किया गया। जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं, मेंटर्स, सामुदायिक नेतृत्व पाठ्यक्रम के छात्रों, प्रस्फुटन समितियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा 30 मार्च से सतत रूप से जा रहा है। उक्त सभी कार्यक्रम स्थानीय जन समुदाय के सक्रिय सहभागिता से आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही आग्रह किया गया कि पानी बचाने के इस अभियान को जन जन तक पहुंचाने में सहयोग करें।स्वच्छता कार्यक्रम में जिला समन्वयक प्रदीप तिवारी, विकास खण्ड समन्वयक शहपुरा मति सोनिया सिंह,परामर्शदाता अभिनेष कटेहा, नवांकुर संस्था नौजवान एकता संगठन तिलक सिंह, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि, सामुदायिक नेतृत्व पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने घाट की स्वच्छता में सहभागी हुए एवं स्थानीय जनों के साथ जल संरक्षण पर संवाद किया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

"पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना" में उपभोक्ताओं को मिलेगा अनुदान

जबलपुर। भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर अपनी बिजली बनाने हेतु "पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना" चलाई जा रही है, जिसका क्रियान्वयन मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने कार्य क्षेत्रान्तर्गत किया जा रहा है। इस योजना के तहत सोलर रूफटॉप लगवाने हेतु उपभोक्ता नेशनल पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं अथवा मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के एप के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल लगवाने पर घरेलु उपभोक्ताओं को भारत सरकार द्वारा सब्सिडी (अनुदान राशि) प्रदान की जा रही है। 1 KW पर 30000 रु. की, 2 KW पर 60000 रुपये की एवं 3KW व 3 KW से अधिक के सोलर रूफटॉप कनेक्शन पर 78000 रु. की सब्सिडी सरकार द्वारा सीधे आवेदनकर्ता के बैंक खाते में प्रदान की जा रही है। पूर्व क्षेत्र कम्पनी के अंतर्गत पिछले वर्ष 2023-24 में कुल 82.86 MW क्षमता का सोलर संयंत्र स्थापना की गयी थी, वर्ष 2024-25 में माह मार्च तक पूर्व क्षेत्र कम्पनी के अंतर्गत कुल 129.48 MW क्षमता का रूफटॉप स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया, जिससे सोलर रूफटॉप क्षमता में कुल 46.62 MW क्षमता की वृद्धि हुई, कंपनी अंतर्गत वर्ष 2024-25 में माह 31-मार्च तक 14212 निम्न दाब उपभोक्ताओं एवं 240 उच्च दाब उपभोक्ताओं द्वारा सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापना की गयी। रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापना का कार्य पूर्ण होने पर ऊर्जा मंत्रालय द्वारा दी जाने वाली निर्धारित अनुदान राशि सीधे आवेदनकर्ता के बैंक खाते में स्थानांतरित होगी। निर्धारित वेंडर्स द्वारा लगाए जाने वाले सोलर पैनल एवं अन्य उपकरण मंत्रालय के मानक एवं विनिर्देशों के अनुसार होंगे तथा इसमें वेंडर्स द्वारा रूफटॉप सोलर प्लांट का 5 साल का रखरखाव भी शामिल है। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना कर उपभोक्ता प्रति माह प्रति किलो वाट 120 यूनिट का उत्पादन कर 70% तक की बिजली की बचत कर सकता है। उ

संयुक्त जयंती महोत्सव समिति ने मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती

जबलपुर। डॉ. भीमराव आम्बेडकर संयुक्त जयंती महोत्सव समिति जबलपुर द्वारा हाईकोर्ट चौक पर डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 134वीं जयंती एवं सामाजिक क्रांति के अग्रदूत तथा स्त्री शिक्षा के जनक महात्मा ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती हर्षोल्लास से ओजस्वी वक्ताओं की उपस्थिति में मनाई गई। कार्यक्रम के शुभारंभ में भिक्षुणी वंदना नागपुर के द्वारा विश्वगुरु तथागत गौतम बुद्ध के छायाचित्र के समक्ष मोमबत्ती एवं अगरबत्ती प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि डॉ. प्रीति नाईक महु इंदौर, विशिष्ट अतिथि एड. स्मिता काम्बले, कार्यक्रम अध्यक्ष छाया धाबर्डे ने विश्व रत्न डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम संयोजक सविता लोखंडे ने शिक्षा के जनक महात्मा ज्योतिबा फुले के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में भिक्षुणी वंदना एवं उपासक, उपासिकाओं ने विश्वगुरु गौतम बुद्ध एवं डॉ. आम्बेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले की वंदना की। इस अवसर पर बौद्ध समाज की उपासिकाओं को डॉ. आम्बेडकर एवं बुद्ध धम्म का कार्य करने पर मुख्य अतिथि प्रीति नाईक ने सम्मान पत्र एवं डॉ. आम्बेडकर की शील्ड देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने दसवीं, बारहवीं में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा जेईई नीट आईआईटी, सीए में चयनित छात्र-छात्राओं को सम्मान पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर छाया धावर्डे, मनीष पुनवटकर, सुनीता पाटिल, सुनीता शेण्डे, पारमी बौद्ध, कृपा खरे, मनीष कोल्हेकर, नंदिता गजभिये, स्मिता बौद्ध, वंदना रामटेके, नंदनी गौरे, मीना खापर्डे, अनीता जनबंधु, कविता सहारे, स्मिता ओहल एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

कांग्रेस आज करेगी खमरिया थाने का घेराव

जबलपुर। थाना खमरिया क्षेत्र में बढ़ते अपराध और अव्यवस्था के खिलाफ कांग्रेस आज, 19 अप्रैल को शाम 4 बजे खमरिया थाने का घेराव करेगी। इस घेराव का नेतृत्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, ग्रामीण कांग्रेस के डॉ. निलेश जैन, वरिष्ठ नेता सम्मति सैनी और राजेश पटेल करेंगे। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल होने वाले हैं।

नाम परिवर्तन

मैं PANDEY POOJA VINOD KUMAR पति SHANT MURTI UPADHYAYA, निवासी 39/1, HOUSING SOCIETY, NEAR JALPARI, NAYA GAON, BHATAULI, JABALPUR, MADHYA PRADESH-482008 कथन करती हूँ कि मेरे पासपोर्ट नंबर T7150670 में मेरा नाम PANDEY POOJA VINOD KUMAR लिखा है जो कि शादी के पहले का है जिसे शादी के बाद मैंने बदलकर POOJA PANDEY UPADHYAYA कर लिया है। अतः मुझे POOJA PANDEY UPADHYAYA पति SHANT MURTI UPADHYAYA नाम से जाना व लिखा जावे।
पूर्व नाम-PANDEY POOJA VINOD KUMAR पति SHANT MURTI UPADHYAYA
परिवर्तित नाम-POOJA PANDEY UPADHYAYA पति SHANT MURTI UPADHYAYA

नाम परिवर्तन

मैं PANDEY PAWAN पिता VINOD KUMAR PANDEY निवासी E-205, DATT TOWNSHIP , TILHARI, JABALPUR - 482020 कथन करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट नंबर K1113702 में मेरा नाम PANDEY PAWAN VINODKUMAR लिखा है जिसे मैंने बदलकर PAWAN PANDEY कर लिया है। अतः मुझे PAWAN PANDEY पिता VINOD KUMAR PANDEY नाम से जाना व लिखा जावे।
पूर्व नाम-PANDEY PAWAN VINOD KUMAR पिता VINOD KUMAR PANDEY
परिवर्तित नाम-PAWAN PANDEY पिता VINOD KUMAR PANDEY

नाम परिवर्तन

मैं PANDEY RASMANI पति VINOD KUMAR PANDEY निवासी E-205, DATT TOWNSHIP, TILHARI, JABALPUR-482020 कथन करती हूँ कि मेरे पासपोर्ट नंबर K1113674 में मेरा नाम PANDEY RASMANI VINODKUMAR लिखा है जिसे मैंने बदलकर RASMANI PANDEY कर लिया है। अतः मुझे RASMANI PANDEY पति VINOD KUMAR PANDEY नाम से जाना व लिखा जावे।
पूर्व नाम-PANDEY RASMANI VINOD KUMAR पति VINOD KUMAR PANDEY
परिवर्तित नाम-RASMANI PANDEY पति VINOD KUMAR PANDEY